ग्राम श्री

सुमित्रानंदन पंत

फैली खेतों में दूर तलक
मखमल की कोमल हरियाली,
लिपटीं जिससे रवि की किरणें
चाँदी की सी उजली जाली ।
तिनकों के हरे–हरे तन पर
हिल हरित रुधिर है रहा झलक,
श्यामल भूतल पर झुका हुआ
नभ का चिर निर्मल नील पलक !
रोमांचित–सी लगती वसुधा
आई जौ गेहूँ में बाली,
थरहर सनई की सोने की
किंकिणियाँ हैं शोभाशाली !
उड़ती भीनी तैलाक्त गन्ध
फूली सरसों पीली– पीली !
लो, हरित धरा से झाँक रही
नीलम की कली, तीसी नीली !
रंग–रंग के फूलों में रिलमिल
हँस रही संखिया मटर खड़ी,

मखमली पेटियों सी लटकीं
छीमियाँ, छिपाए बीज लड़ी !
फिरती हैं रंग-रंग की तितली
रंग-रंग के फूलों पर सुन्दर,
फूले फिरते हों फूल स्वयं
उड़-उड़ वृन्तों से वृन्तों पर।
अब रजत स्वर्ण मंजरियों से
लद गई आम्र तरु की डाली,
झर रहे ढाक, पीपल के दल-
हो उठी कोकिला मतवाली !

शब्द-अर्थ

मखमल- रेशम, हरियाली - हरे रंग की, तिनका - सुखी घास, रुधिर - रक्त, नभ- आकाश, वसुधा- पृथ्वी, सनई - हवा की सनसनाहट, किंकिणियाँ - करधनी, कोकिला - कोयल, हरित धरा- हरे रंग की पृथ्वी, संखिया- एक प्रकार के तीव्र जहर, वृन्त - डंठल, रजत- चाँदी, स्वर्ण- सोना, मंजरी - बौर, आम्रतरु - आम का पेड़, दल - पत्ता, चिर -

अनुशीलनी

भाव बोध और विचार :

(क) मौखिक :

(1) कवि 'ग्राम श्री' कविता में प्रकृति वर्णन के द्वारा हमारे मन में कैसे भाव जगाते हैं ?

(2) आप प्रकृति को ध्यान से देखिए और उसका वर्णन अपने शब्दों में कीजिए ।

(ख) लिखित :

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(1) कवि ने खेत की हरियाली का कैसा वर्णन किया है ?

(2) कविता में कवि ने अरहर को क्या कहा है ?

(3) सरसों के फूलों का रंग और गंध कैसी होती हैं ?

(4) कवि ने किसे नीलम की कली कहा है ?

(5) मखमली पेटी में क्या छिपा है ?

(6) इस कविता में फूल और तितली क्या करती हैं ?

(7) कोकिला क्यों मतवाली हो उठती है ?

(8) इन पंक्तियों के भाव समझाइए :

(क) फैली खेतों में दूर तलक मखमल की कोमल हरियाली ।

(ख) रोमांचित-सी लगती वसुधा आई जौ गेहूँ में बाली,

(ग) हरित धरा से झाँक रही नीलम की कली, तीसी नीली ।

भाषा बोध : -

1. सही शब्द लगाकर रिक्त-स्थान की पूर्ति कीजिए :

(क) श्यामल भूतल पर झुका हुआ
नभ का चिर .....

(ख) उड़ती भीनी .....
फूली सरसों .....

(ग) तिनकों के ..... तन पर
हिल ..... है रहा झलक ।

(घ) ..... सी लटकीं
छीमियाँ छिपाए ..... ।

(ङ) झर रहे .....
हो उठी कोकिला ..... ।

2. **इन शब्दों के अर्थ लिखिए :**

रवि, तिनका, रुधिर, भूतल, नभ, वसुधा, मखमली, वृन्त, रजत, स्वर्ण, मंजरी, आम्रतरु, कोकिला ।

3. **इन शब्दों का प्रयोग करके वाक्य बनाइए :**

हरियाली, किरणें, उजली, किंकणियाँ, तैलाक्त, तितली, मतवाली, दल

4. **इनके दो-दो समानार्थक शब्द लिखिए :**

रवि, चाँदी, रुधिर, नभ, वसुधा, तरु, आम्र, कोकिला

5. **'क' स्तंभ के साथ 'ख' स्तभ के सही शब्द को मिलाइए :**

'क'	'ख'
कोमल	पीली
सरसों	भूतल
तैलाक्त	वसुधा
श्यामल	पेटियाँ
रोमांचित	लड़ी
मखमली	गन्ध
बीज	हरियाली